कानपुर, शुक्रवार, 6 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 37, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड महिला आयोग का सभी DM को लेटर...>Pg12
फर्जीवाड़े से अनजान बिल्हौर तहसील के रजिस्ट्रार...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

यूपी में एक बार फिर कांपी धरती

लखनऊ समेत कई जिलों में महसूस हुए भूकंप के झटके

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार की सुबह एक बार फिर धरती हिलने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राजधानी लखनऊ समेत आसपास के कई जिलों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। मौसम विभाग और भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 आंकी गई है। भूकंप का केंद्र गोंडा जिले के इटियाथोक क्षेत्र स्थित इटहिया नवीजोत गांव में जमीन की सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे बताया गया है। राहत की बात यह रही कि तीव्रता कम होने के कारण कहीं से भी किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

भूकंप सुबह करीब 7:32 बजे आया, जब अधिकांश लोग अपने दैनिक कार्यों में लगे हुए थे। राजधानी लखनऊ में कई लोगों को कुछ सेकंड के लिए कंपन जैसा महसूस हुआ। खासकर बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों ने फर्श, दीवारों और फर्नीचर में हल्का कंपन होने की बात कही। हालांकि झटके इतने हल्के थे कि बहुत से लोगों को इसका आभास भी नहीं हो सका।

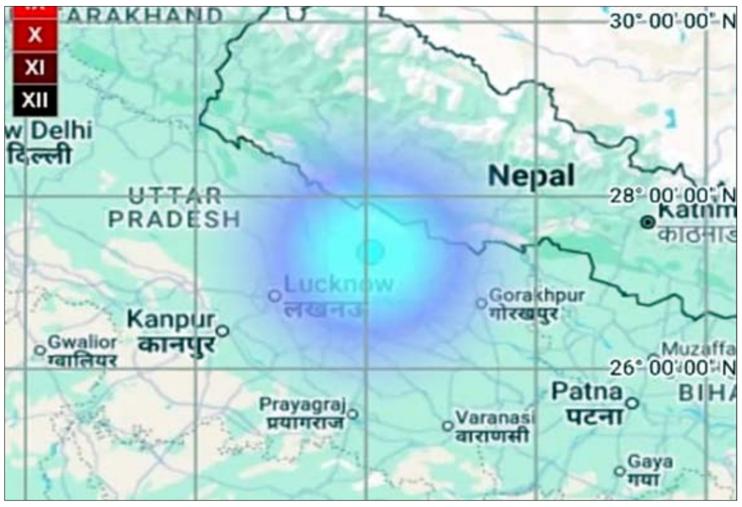

मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक भूकंप का केंद्र लखनऊ से उत्तर दिशा में स्थित गोंडा जिले में था, जो अयोध्या से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है। भूकंप की गहराई कम होने के बावजूद इसकी तीव्रता कम रहने से किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं बनी।

भूकंप की सूचना मिलते ही गोंडा सहित आसपास के जिलों का प्रशासन सतर्क हो गया। जिला प्रशासन ने नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और लेखपालों को संबंधित गांवों में भेजकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए। कच्चे मकानों, पुरानी और जर्जर इमारतों में दरार आने या किसी अन्य प्रकार की क्षति की जांच कराई गई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि अब तक जिले में किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना प्राप्त नहीं हुई है और हालात पूरी तरह सामान्य हैं।

➪ गोंडा के इटहिया नवीजोत गांव में था केंद्र, तीव्रता 3.7, प्रशासन अलर्ट

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर प्रदेश का यह हिस्सा भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील जोन में आता है। नेपाल की तराई क्षेत्र में अक्सर होने वाली भूगर्भीय हलचल का असर उत्तर प्रदेश के तराई और मध्य हिस्सों तक देखने को मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार 3.7 तीव्रता का भूकंप सामान्य श्रेणी में माना जाता है, जिससे आमतौर पर इमारतों को नुकसान नहीं पहुंचता। बावजूद इसके लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है, विशेषकर पुरानी और कमजोर संरचनाओं के आसपास रहने वालों को सतर्क रहने को कहा गया है।

प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा है। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है।

- उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह महसूस किए गए भूकंप के झटके
- राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में हल्का कंपन
- भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7
- केंद्र गोंडा जिले के इटहिया नवीजोत गांव (इटियाथोक) में
- जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था केंद्र
- हाईराइज इमारतों में रहने वालों को ज्यादा महसूस हुआ कंपन
- कहीं से भी जनहानि या संपत्ति नुकसान की सूचना नहीं
- जिला प्रशासन और आपात सेवाएं अलर्ट मोड पर
- विशेषज्ञों ने इसे सामान्य श्रेणी का भूकंप बताया

प्रदेश सरकार की बड़ी कार्रवाई, तीन PCS अधिकारी निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गंभीर अनियमितताओं और पद के दुरुपयोग के आरोपों में तीन प्रांतीय सिविल सेवा (PCS) अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में PCS विराग पांडेय (SDM गाजियाबाद), PCS लालता प्रसाद (SDM बुलन्दशहर) और PCS सतीश कुमार (SDM एटा) शामिल हैं। तीनों अधिकारियों पर पूर्व तैनाती के दौरान भूमि संबंधी मामलों में नियमों की अनदेखी, सरकारी व ग्राम समाज की भूमि से जुड़े प्रकरणों में अनुचित आदेश पारित करने और आरसी प्रपत्रों को बिना वैध कारण वापस लेने जैसे गंभीर आरोप पाए गए हैं।

जांच रिपोर्ट के आधार पर नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग ने यह कार्रवाई की है। निलंबन के दौरान तीनों अधिकारियों को राजस्व परिषद, लखनऊ से संबद्ध किया गया है और प्रकरण की विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता और सरकारी संपत्ति से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में एफआईआर, संत समाज ने बैन की मांग तेज की

‘घूसखोर पंडत’ वेब सीरीज पर घमासान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। रिलीज से पहले ही वेब सीरीज़ ‘घूसखोर पंडत’ बड़े विवाद की चपेट में आ गई है। फिल्म के टाइटल और कथित कहानी को लेकर ब्राह्मण समाज की भावनाएं आहत होने का आरोप लगाते हुए लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में फिल्म के डायरेक्टर और उनकी टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के निर्देश पर की गई। पुलिस का कहना है कि फिल्म का नाम और प्रस्तुति सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकती है और इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शिकायत में कहा गया है कि ‘घूसखोर पंडत’ शीर्षक जाति विशेष को नकारात्मक रूप में दर्शाता है और इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है। एफआईआर दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है और कंटेंट से जुड़े सभी तथ्यों को खंगाला जा रहा है। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी तरह की तनावपूर्ण स्थिति को रोका जा सके।

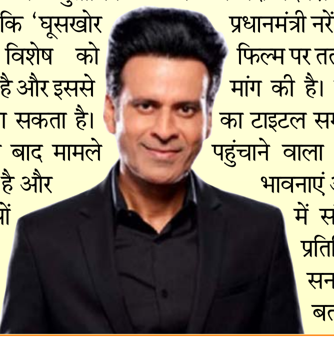

विवाद बढ़ने के साथ ही धार्मिक और सामाजिक संगठनों का विरोध भी तेज हो गया है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि फिल्म का टाइटल समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और इससे धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। प्रयागराज में संत समाज ने भी कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए इसे सनातन परंपरा के खिलाफ बताया है। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने सरकार से फिल्म पर बैन लगाने की मांग की है।

बढ़ते विरोध के बीच फिल्म निर्माता पक्ष ने भी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म के डायरेक्टर नीरज पांडेय ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि कुछ दर्शकों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिसे गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल फिल्म से जुड़े सभी प्रमोशनल मटेरियल हटा दिए गए हैं और विवाद से जुड़े पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। उनका कहना है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी जरूरी है।

गौरतलब है कि इस वेब सीरीज़ में मनोज बाजपेयी, नुसरत भरूचा और श्रद्धा दास मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इसका टीज़र जारी किया गया था, जिसके बाद यह विवाद सामने आया। सीरीज़ को इसी साल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाना प्रस्तावित है, लेकिन एफआईआर और लगातार बढ़ते विरोध के चलते अब इसकी रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। प्रशासनिक जांच और सरकार के अगले फैसले पर इस वेब सीरीज़ का भविष्य निर्भर करता दिखाई दे रहा है।

अवैध प्लाटिंग माफिया पर केडीए की बड़ी कार्रवाई

» बिना लेआउट पास वाले एरिया में प्लॉट लेने वाले फंसे खरीदार

» प्रवर्तन अधिकारी डॉ रवि प्रताप सिंह की अगुवाई में चल रहा है एक्शन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध प्लाटिंग माफिया के खिलाफ बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए जोन-1बी क्षेत्र में लगभग 16 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग और निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई 06.02.2026 को प्राधिकरण उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई।

पहली कार्रवाई ग्राम ख्यौरा कटरी में गंगा बैराज से मंधना मोड़ की ओर दायीं तरफ की गई, जहां राहुल, रोहित एवं अन्य द्वारा लगभग 7.5 बीघा भूमि पर बिना ले-आउट स्वीकृति अवैध प्लाटिंग विकसित की जा रही थी।

दूसरी कार्रवाई ग्राम ज्यौरा, आजाद नगर क्षेत्र में गंगा बैराज से सिंहपुर रोड की ओर की गई, जहां महेश, कौशल, दीप चन्द्र, रजनी देवी, अवध बिहारी, कुंज बिहारी, गंगा प्रसाद, कौशल गुप्ता, सर्वेश, रोहित एवं अन्य द्वारा लगभग 8.5 बीघा भूमि पर अनाधिकृत प्लाटिंग की जा रही थी।दोनों ही स्थलों पर प्राधिकरण की अनुमति और स्वीकृत मानचित्र के बिना विकसित की जा रही प्लाटिंग के खिलाफ 3 जेसीबी मशीनों से इंट्रीगेट, सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभे, पिलर तथा निर्मित, अर्द्धनिर्मित और निर्माणाधीन भवनों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर अनिल शर्मा, राम औतार, मनोज, राज कुमार, लाल सिंह तथा थाना बिठूर का पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई से अवैध प्लाटिंग करने वालों में हड़कंप मच गया।कानपुर विकास प्राधिकरण ने साफ किया है कि थाना नवाबगंज, कल्याणपुर और बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ग्रामों में लगभग 8 बीघा क्षेत्रफल की अन्य अवैध प्लाटिंग और निर्माण को भी चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर जल्द ही सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।विशेष कार्याधिकारी रवि प्रताप सिंह ने आम नागरिकों से अपील की है कि प्राधिकरण क्षेत्र में भूमि खरीदने से पहले कानपुर विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और मानचित्र स्वीकृत कराकर ही भवन निर्माण कराएं। बिना अनुमति खरीदी गई भूमि और अवैध निर्माण भविष्य में भारी आर्थिक और मानसिक नुकसान का कारण बन रहा है. ओएसडी ने बताया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार और और अधिक सख्ती से जारी रहेगी।

नशेड़ी बेटे ने राड से वार कर बूढ़ी मां को मार डाला

वारदात के बाद बाइक से फरार, जांच में जुटी पुलिस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शुक्लागंज के कंजा खेड़ा में नशे में धुत कलयुगी बेटे ने लोहे के पाइप से वार कर अपनी वृद्ध मां की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी बाइक से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।शुक्लागंज में कोतवाली गंगा घाट क्षेत्र के जाजमऊ चौकी अंतर्गत ग्राम कंजा खेड़ा में नशे में धुत बेटे ने अपनी मां के सिर में लोहे के पाइप से दो वार कर हत्या कर दी। इसके बाद अपनी बाइक से फरार हो गया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बेटे ने मां की हत्या क्यों की, इसके बारे में कोई कुछ बात नहीं पाया। मौके पर मौजूद पुलिस ने मामले की जांच करने की बात कही है।

ग्राम कंजा खेड़ा निवासी शांति देवी (75) पत्नी स्वर्गीय रामकुमार की उनके ही सगे छोटे बेटे राजन ने शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे लोहे की पाइप से सिर पर दो वार कर हत्या कर दी। घटना से कुछ दूरी पर बैठी मृतका के देवर स्व. शिवलाल की बहू प्रेमा देवी ने पुलिस को बताया कि वह और उनकी सास नन्हीं देवी (70) अपने घर के बाहर धूप सेंक रही थी। कुछ दूरी पर उनकी चचिया सास शांति देवी भी बैठी थी।

एक के बाद एक दो वार किए

तभी चचेरे देवर राजन आए जो की बेहद नशे में धुत लग रहे थे। आते ही लोहे की पाइप से शांति देवी के सिर पर एक के बाद एक दो वार कर दिए, जिससे शांति देवी मौके पर ही गिर पड़ी और उनकी मौत हो गई। बीच बचाओ करने के लिए वह भागी, तो राजन उन्हें भी मारने के लिए दौड़ा। किसी तरह से उन्होंने अपनी जान बचाई। इसके बाद राजन मौके से अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। मृतक का के दो बेटे हैं, जिसमें बड़ा बेटा राजेश व छोटा बेटा आरोपी राजन है।

तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

प्रेमा ने बताया कि राजेश और राजन एक ही मकान में रहते हैं। राजन की पत्नी तीन साल पहले अपने मायके चली गई थी। तब से वह नहीं आई आरोपी राजन कमीशन पर जमीन खरीदने बेचने का काम करता है। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह, प्रभारी सीओ सिटी वनी सिंह, कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह पहुंचे। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

इलेक्ट्रिक साइकिल डिलीवरी कर आईआईटी ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कराया नाम

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी कानपुर ने बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक साइकिल डिलीवरी कर अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया है। यह उपलब्धि ई-साइकिल कार्यक्रम के तहत ईमोटोरैड, कुप्पम क्षेत्र विकास प्राधिकरण, चित्तूर जिला कलक्ट्रेट और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से हासिल की गई।रिकॉर्ड वितरण कार्यक्रम पिछले सप्ताह आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से कुप्पम क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक साइकिलों का एक साथ वितरण किया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आधिकारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कुप्पम विधानसभा क्षेत्र में सतत, पर्यावरण-अनुकूल और कम-कार्बन परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना था।आईआईटी कानपुर ने कुप्पम नेट जीरो विधानसभा क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत तकनीकी भागीदार के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। क्रियान्वयन में आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र हरि शंकर (परामर्शदाता) और विकास मरमत (आईएएस), परियोजना निदेशक का विशेष योगदान रहा। संस्थान की ओर से परियोजना प्रधान अन्वेषक प्रो. मनोज के. तिवारी और प्रो. राजीव जिंदल ने प्रतिनिधित्व किया। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने इस उपलब्धि को सतत विकास, क्लीन मोबिलिटी और सामाजिक प्रभाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया और सभी सहयोगी संस्थाओं और परियोजना टीम को बधाई दी।

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में नियम कायदों की धज्जियां उड़ाकर हड़पी जा रही जमीनें

फर्जीवाड़े से अनजान बने बैठे हैं बिल्हौर तहसील के रजिस्ट्रार

स्वराज इंडिया फालोअप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस नीति पर अमल करने पर लगातार जोर दे रहे हैं लेकिन वहीं, बिल्हौर तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उल्टी गंगा बहा रहे हैं। यहां पर गांधी जी की कृपा से सभी नियम कायदे किनारे करके खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। अधिकारी जानकर भी अनजान बने बैठे हुए हैं, सीधे सीधे योगी सरकार की नीतियों का मखौल उड़ाया जा रहा है।

ताजा प्रकरण बिल्हौर तहसील के बकोठी गांव का है. यहां की संक्रमणीय भूमिधरी आराजी गाटा संख्या 486/0.1950 और 488/0.1750 (कुल रकबा 0.3700 हे.) का है। दस्तावेजों के अनुसार, इस भूमि की रजिस्ट्री 30 जुलाई 2025 को की गई। इसमें विक्रेता के रूप में कल्याणदत्त और नारायणदत्त (पुत्रगण ओंकारनाथ) को दर्शाया गया है। स्थानीय ग्रामीणों और ग्राम प्रधान के अनुसार, इस जमीन के असली मालिक बीते 40-45 वर्षों से महाराष्ट्र (मुंबई) में रेलवे में कार्यरत होने के कारण वहीं बस गए हैं और कभी गांव वापस नहीं लौटे। इसी गुमनामी का फायदा उठाकर भू-माफियाओं ने फर्जी लोगों को असली मालिक बनाकर पेश कर दिया। इस घोटाले में न केवल फर्जी विक्रेता और क्रेता (श्रीमती कामिनी पत्नी रोहित) की भूमिका संदिग्ध है, बल्कि स्थानीय स्तर पर ब्लैकमेलिंग का भी नया खेल सामने आया है। अकुल शर्मा और सुमित शर्मा को जब इस फर्जीवाड़े की भनक लगी, तो उन्होंने पोल खोलने की धमकी देकर क्रेता पक्ष पर दबाव बनाया।

आरोप है कि विवाद सुलझाने के नाम पर उन्होंने अपनी माता (श्रीमती कमला देवी) के नाम एक स्टांप पेपर पर लिखा-पढ़ी करा ली, ताकि भविष्य में इस जमीन की बिक्री से होने वाले लाभ में हिस्सा ले सकें। जब कि रजिस्ट्री कार्यालय में वास्तविक व्यक्ति की पहचान अनिवार्य है, तो असली मालिकों की जगह फर्जी लोगों के फिंगरप्रिंट और पहचान कैसे स्वीकार कर लिए गए? क्या इसमें विभागीय मिलीभगत है? इस मामले में बिल्हौर के रजिस्ट्रार इर्शाद के का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है, पता कर रहे हैं, दोषियों पर खिलाफ कार्रवाई होगी।

बिल्हौर तहसील में बढ़ रहे फर्जीवाड़े के मामले

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि तहसील एवं रजिस्ट्री कार्यालय की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर जमीनों का फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। बीते दिनों बिल्हौर के नानामउ गांव में किसान निशांत कुमार की 11 बीघा जमीन गांव के ही अविरल सिंह ने फर्जी तरीके से अभिनव मिश्रा के साथ विक्रय अनुबंध कर दिया था। इसमें गांव का रवि कुमार और शिवराजपुर का रौनक शुक्ला बना था। जमीन की कीमत करोड़ों में है, मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी तरह से चैबेपुर थाना क्षेत्र के बिठूर कला आलिया में फर्जी पावर अटार्नी बनाकर जमीनों का दाखिल खारिज करवा दिया गया। इस तरह से कई मामले में है जिनमें योगी सरकार की साख पर सवाल कर दिए।

बड़ा भू-घोटाला बेनकाब

मुंबई में बैठे चाचा की जमीन बिल्हौर में भतीजे ने बेच दी

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार और राजस्व विभाग के भू-माफिया विरोधी दावों की पोल खोलता एक सनसनीखेज मामला कानपुर जिले की तहसील बिल्हौर से सामने आया है। यहां ग्राम बकोठी में 40-45 वर्षों से मुंबई में रह रहे एक व्यक्ति की जमीन को फर्जी विक्रेता खड़ा कर रजिस्ट्री करा दी गई। हैरानी की बात यह है कि यह सब गवाहों, वकीलों, बायोमेट्रिक पहचान और रजिस्ट्री कार्यालय की मौजूदगी में हुआ और किसी को भनक तक नहीं लगी।

सूत्रों के अनुसार मामला संक्रमणीय भूमिधरी की आराजी गाटा संख्या 486 (0.1950 हे.) और 488 (0.1750 हे.), कुल 0.3700 हेक्टेयर भूमि से जुड़ा है। दस्तावेजों में इस जमीन की रजिस्ट्री 30 जुलाई 2025 को दर्शाई गई है, जिसमें विक्रेता के रूप में कल्याणदत्त व नारायणदत्त (पुत्र ओंकारनाथ) के नाम दर्ज हैं। जबकि ग्रामीणों और ग्राम प्रधान का साफ कहना है कि असल मालिक बीते चार दशक से मुंबई में रेलवे सेवा में कार्यरत हैं और गांव से उनका कोई सीधा संपर्क नहीं रहा।

चोर पर मोर! ब्लैकमेलिंग का नया खेल

मामले में नया मोड़ तब आया जब गांव के ही कुछ दबंगों अकुल शर्मा और सुमित शर्मा को इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई। आरोप है कि उन्होंने पोल खोलने की धमकी देकर क्रेता पक्ष पर दबाव बनाया और विवाद निपटाने के नाम पर अपनी माता श्रीमती कमला देवी के पक्ष में एक स्टांप पेपर पर लिखापढ़ी करा ली, ताकि भविष्य में जमीन बेचने पर मुनाफे में हिस्सा मिल सके। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने जिलाधिकारी कानपुर नगर से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर एफआईआर, और फर्जी रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त करने की मांग की है, ताकि भू-माफिया नेटवर्क पर प्रभावी लगाम लग सके। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे खेल में स्थानीय वकीलों और दलालों का संगठित नेटवर्क सक्रिय रहा। बिना असली मालिक की मौजूदगी के दस्तावेज पूरे कराए गए और नियमों को कागजों में ही पूरा दिखा दिया गया। सबसे बड़ा सवाल है कि बायोमेट्रिक सिस्टम होते हुए फर्जी फिंगरप्रिंट कैसे मान्य हुए? क्या रजिस्ट्री कार्यालय के भीतर मिलीभगत के बिना यह संभव है?।

- 40 साल पहले मुंबई में बसे मालिक के नाम पर रची गई रजिस्ट्री की साजिश
- सरकारी तंत्र को ठेंगा दिखाते हुए फर्जी कागजों से बेच दी गई दूसरे की जमीन

गुमनामी बनी हथियार, जालसाजों ने खेला खेल

इसी दूरी और गुमनामी का फायदा उठाकर भू-माफियाओं ने फर्जी व्यक्तियों को असली मालिक बताकर पेश किया और जमीन की रजिस्ट्री करा दी। सवाल यह है कि जब रजिस्ट्री में वास्तविक व्यक्ति की उपस्थिति, पहचान और फिंगरप्रिंट अनिवार्य है, तो फर्जी लोगों की पहचान कैसे स्वीकार कर ली गई?।

विक्रेता के नाम के आगे लिखा क्रेता के पति का मोबाइल नंबर

जमीन क्रेता का पति ही बना है गवाह

स्वराज इंडिया ने खोली भ्रष्टाचार की परतें

मामले में दूसरे लोगों को खडा करके जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई, अधिकारी से लेकर कर्मचारी जानकर अनजान बने रहे। बताया जा रहा है कि फर्जी रजिस्ट्री मामले में खूब पैसा बांटा गया है। इस वजह से सभी जिम्मेदारों ने अनदेखी की। स्वराज इंडिया संवाददाता ने जब रजिस्ट्री की पडताल की कई चैकाने वाले तथ्य सामने आए। विक्रेता कल्याण दत्त के नाम के आगे जो मोबाइल 9936686221 नंबर दर्ज है उसपर कॉल की गई तो फोन रोहित शर्मा नाम के व्यक्ति ने उठाया। जब कल्याण दत्त के बारे में पूछा तो बताया कि वह यहां नहीं है, कहा कि उनका मोबाइल बंद है दो तीन में बात करा दूंगा, रिपोर्टर ने 5 दिन बाद फिर फोन किया तो रोहित शर्मा ने टहलाने का प्रयास कर इधर उधर की बातें की। जब उनका मुंबई का पता पूछा गया तो वह भी नहीं बता सका। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि रोहित, कल्याण दत्त का भतीजा है। उसी ने पूरे खेल का अंजाम दिया है। वहीं, रजिस्ट्री के पृष्ठ संख्या 5 में गवाही के तौर पर भी रोहित का ही नाम दर्ज है। जब कि क्रेता कामिनी, रोहित की पत्नी है। वहीं, एक गवाह में उपेंद्र पुत्र प्रदीप निवासी बकोठी का नाम दर्ज है, जब उसके मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उसने बताया कि हमे ज्यादा जानकारी नहीं है, रोहित हमको ले गए थे, पैसे का लेनदेन भी मेरे सामने नहीं हुआ है। गवाह ने अपनी उम्र करीब 32 साल बताई जब कि कल्याण दत्त और नारायन दत्त करीब 40 साल पहले गांव से चले गए थे तो सबसे बडा सवाल यह है कि उसने उनकी शिनाख्त कैसे की जब वह पैदा भी नहीं हुआ था।

मुंबई में जा बसे बकोठी गांव के चाचा-ताउ की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री से हथियाने के मामले में अधिकारी एवं कर्मियों की भूमिका संदिग्ध

चने में मिला औरामाइन केमिकल, 4 फर्मों को नोटिस

» चार नमूने फेल और पांच पास की रिपोर्ट

» बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स का लाइसेंस सस्पेंड

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ब्लिंकिट स्टोर और रिलायंस रिटेल से खरीदे प्रोडक्ट के सेफ होने की कोई गारंटी नहीं है। दिसम्बर 2025 में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी चने को लेकर बडी छापेमार कार्रवाई की थी। इसमें चने के नौ नमूने लैब जांच को भेजे गए, जिनमें चार अनसेफ की रिपोर्ट मिली है। इसमें औरामाइन केमिकल होने की पुष्टि हुई, विभाग ने संबंधित फर्मों को नोटिस भेज जवाब मांगा है। बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स बिनगवां का खाद्य लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि मिलावटी चने पर कार्रवाई की गई थी। फर्मों से लिए गए नमूनों को लैब जांच को भेजा गया था, चार नमूने फेल और पांच पास की रिपोर्ट आई है। संबंधित फर्मों को नोटिस भेजी गई और बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स का लाइसेंस सस्पेंड किया गया है।

सेहत बनाने के लिए जो चना आप खाते हैं वह भी केमिकलयुक्त हो सकता है। दिसम्बर 2025 में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सूचना के आधार पर बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स बिनगवां समेत सात अन्य स्थानों पर छापेमार कार्रवाई की थी। बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स में केमिकलयुक्त 372 क्विंटल भुना चना बरामद किया गया। मौके पर मौजूद अत्याधुनिक मोबाइल लैब फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) से चने की जांच की गई।

प्रारंभिक जांच में चने में औरामाइन केमिकल की पुष्टि हुई।

यह एक प्रतिबंधित और जहरीला रसायन है, जिसका उपयोग खाद्य पदार्थों में पूरी तरह वर्जित है। जनस्वास्थ्य के लिए इसे गंभीर खतरा मानते हुए विभाग ने 1240 बोरा भुना चना प्रारंभिक जांच में ओरामाइन डाई से रंगा हुआ पाए जाने पर नमूना संग्रह के उपरांत जप्त किया गया।

जब्त किए गए माल की अनुमानित कीमत करीब 33 लाख 48 हजार रुपये है।

इनके नमूने मिले अनसेफ

बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स दो नमूने अनसेफ

नौबस्ता स्थित रिलायंस रिटेल लिम्टेड से टोटल स्वीट्स सैक्स सॉल्यूशन का एक नमूना अनसेफ

नवीन नगर स्थित ब्लिंकिट स्टोर से होल फार्म का नमूना अनसेफ

सेहत के लिए खतरनाक होता है औरामाइन

औरामाइन एक अत्यंत खतरनाक और विषैला रसायन है, यह केमिकल स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। औरामाइन के सेवन से कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है, विशेषकर लीवर और मूत्राशय के कैंसर का खतरा रहता है।

बीस सूत्रीय मांगों को लेकर सभी आयकर कार्यालयों में प्रदर्शन

कानपुर मुख्यालय स्थित आयकर भवन प्रांगण में एकजुट हुए अधिकारी और कर्मचारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल की संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर बीस सूत्रीय मांगों के समर्थन में सभी आयकर कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर मध्यावकाश प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शतप्रतिशत सहभागिता के साथ सफल रहा।

कानपुर मुख्यालय स्थित आयकर भवन प्रांगण में हुए जोरदार प्रदर्शन को संबोधित करते हुए आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के महासचिव राघवेन्द्र सिंह और आयकर कर्मचारी महासंघ के महासचिव सुनील कुमार ने स्पष्ट कहा कि कैडर रिव्यू और पुनर्गठन को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने गैर आईआरएस कैरियर प्रगति समिति की रिपोर्ट में जेसीए के सुझाव शामिल करने, आठवें वेतन आयोग के संदर्भ नियमों में संघ के प्रस्ताव जोड़ने, 1 जनवरी 2026 से 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता मूल वेतन में समाहित करने, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, 18 माह के बकाया डीए का भुगतान तथा कैजुअल श्रमिकों के नियमितीकरण जैसी प्रमुख मांगों पर सरकार से त्वरित निर्णय लेने की मांग की।

प्रदर्शन की अध्यक्षता एस के वर्मा ने की, जबकि संचालन अमिय आनंद पाण्डेय ने किया। इस दौरान शरद प्रकाश अग्रवाल, शांति भूषण मिश्रा, शिवेन्दु श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, नवनीत शुक्ला सहित अनुराग बाजपाई, पंकज यादव, मुकेश कुमार, अनिल चौधरी, के के शुक्ला, शैलेन्द्र भारतीय, उमेश वर्मा, वैभव सचान, अशोक द्विवेदी, संजय कुमार, हिमांशु सिंह, अनूप तिवारी, तन्मय त्रिपाठी, राम प्रताप, श्रेय वर्धन पाण्डेय, शशांक ज्योति, दीपांकर चौरसिया, शक्ति कृष्ण शुक्ला, नरेन्द्र सिंह, क्षितिज शुक्ला, अभिषेक केसरवानी समेत बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संघों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सम्पादकीय

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती।

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

यशवंत सचदेव

देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है।..देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है।अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है।

उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना ज़रूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे।उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज़ में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का ज़हर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है।जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे गलत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज़ादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं।जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ-निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच-विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी।कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद-भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

ताजपोशी

डा0 सुधीर कुमार

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी।राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं।

लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर

विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है।सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती। महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था।

अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी।

बावरिया गैंग का सदस्य कल्लू डकैत गिरफ्तार

राजस्थान,उत्तराखंड,महाराष्ट्र, झारखंड में नाम बदलकर काट रहा था फरारी, तीन हत्याकांड व डकैती का आरोपी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अपराधियों के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान में अरौल पुलिस ने गुरुवार तड़के बड़ा शिकार पकड़ा। 12 साल से जौनपुर और 11 साल से बिल्हौर पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा 75 हजार का इनामी बावरिया गैंग का सदस्य डकैत-हत्यारा कल्लू उर्फ फिरोज उर्फ निजामुद्दीन आखिरकार दबोच लिया गया। आरोपी अलग-अलग राज्यों में नाम बदलकर पनाह लिए घूम रहा था। मुखबिर की पुख्ता सूचना पर मकनपुर चौकी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान सिंघौली हनुमान मंदिर से आगे मकनपुर की ओर जाते वक्त पुलिस ने उसे घेर लिया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

मौके पर ही उसे दबोचकर थाना अरौल में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी ने 2014 में शाहगंज जनपद जौनपुर में डंडों से पीटकर हत्या कर डकैती डाली, 2015 में बिल्हौर के सिंघौली में लाठी-डंडों से पीटकर एक शख्स की जान ली और लूट की, जबकि 2018 में बेला जनपद औरैया में पूरे परिवार को मरणासन्न कर घर में डकैती को अंजाम दिया। वारदातों के बाद वह प्रदेश बदल-बदलकर फरारी काटता रहा।

इनामी अपराधी की गिरफ्तारी को पश्चिम जोन पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पुलिस अब उससे जुड़े नेटवर्क और फरारी में मददगारों की कुंडली खंगाल रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।अरौल थाने मे एसीपी मंजय सिंह ने घटना पर प्रेस वार्ता कर बताया कि गैंग के अन्य सदस्यों की भी तलाश जा रही है।

11 साल से फरार चल रहे आरोपी को कई जिलों की पुलिस टीम ढूढ़ रही थी। यह आरोपी बावरिया गैंग का सदस्य भी है। एसीपी ने गिरफ्तार करने वाली टीम की सराहना भी की है।

- शाहगंज के 2014 हत्याकांड में 50 हजार का इनाम, बिल्हौर के 2015 हत्याकांड में 25 हजार का इनाम घोषित
- सिंघौली हनुमान मंदिर के पास वाहन चेकिंग में धरा गया, कमर से तमंचा व दो जिंदा कारतूस बरामद
- बिल्हौर, जौनपुर, औरैया के खूनी वारदातों में रहा मोस्ट-वांटेड

मकनपुर में बावरिया गैंग की खौफनाक दस्तक

मकनपुर इलाके में कई साल पहले बावरिया गैंग ने एक जमींदार के घर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि गैंग अपने मंसूबों में कामयाब तो नहीं हो सका था, लेकिन गांव में दहशत फैलाने में पूरी तरह सफल रहा। इस सनसनीखेज घटना के बाद पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक खौफ का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार गैंग की सक्रियता से ग्रामीणों को रातों में जागकर पहरा देना पड़ा। घटना ने उस समय पुलिस व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए, वहीं बावरिया गैंग का नाम इलाके में आतंक के प्रतीक के रूप में चर्चा में आ गया था।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

- धारा 396 आईपीसी - शाहगंज, जनपद जौनपुर
- धारा 302/394 आईपीसी - बिल्हौर, जनपद कानपुर नगर
- धारा 394/307 आईपीसी व 3/25 शस्त्र अधिनियम - बेला, जनपद औरैया
- धारा 3/25 आर्म्स एक्ट - अरौल, जनपद कानपुर नगर

गिरफ्तार करने वाली टीम

प्रभारी निरीक्षक जनार्दन सिंह यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मकनपुर विशाल कुमार, प्रीतांजलि, विशाल सिंह समेत अरौल थाने की संयुक्त टीम शामिल रही।

लूट का केस लिखवाकर पुलिस को दौड़ाया

'अभी आता हूं' कहकर फरार हुआ दुकानदार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। जुए में लाखों रुपये गंवाने के बाद खुद को बचाने के लिए मोबाइल दुकानदार ने तमंचे के बल पर लूट की सनसनीखेज कहानी गढ़ दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने लूट का मुकदमा भी दर्ज कर लिया और मामले को गंभीर मानते हुए तीन टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी। लेकिन जैसे-जैसे पुलिस सवालों की परतें खोलती गईं, वैसे-वैसे झूठ की कहानी बिखरती चली गई और कथित पीड़ित दुकानदार थाने से ही फरार हो गया।

फर्जी लूट लिखवाने वाला दुकानदार

कन्नौज के सराय मीरा निवासी अजय शुक्ला पुत्र सुरेश चंद शुक्ला ने मंगलवार देर रात अरौल थाने में तहरीर दी थी कि वह लखनऊ से 17 मोबाइल और रिपेयरिंग का सामान लेकर लौट रहा था। आरोप लगाया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के अरौल कट पर ऑटो में बैठते ही चालक ने गांगुपुर क्रॉसिंग के पास रास्ता बदल दिया और पीछे बैठे युवकों ने तमंचा लगाकर उससे मारपीट की। बदमाशों ने उसके बैग में रखे मोबाइल, नकदी और सोने की अंगूठी लूट ली।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी परेशान हो गई और लूट की घटना मानकर तुरंत तीन टीमों को जांच में लगा दिया गया। अरौल इंस्पेक्टर ने जब दुकानदार से मोबाइल खरीद के बिल और दुकानदार का नाम-पता मांगा तो वह टालमटोल करने लगा। बाद में उसने यह कहकर थाने से बाहर कदम रखा कि वह अभी बिल लेकर आ रहा है, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। काफी देर इंतजार के बाद पुलिस ने जब उसे फोन किया तो वह इधर-उधर की नई कहानी सुनाने लगा। यहीं से पुलिस को पूरे मामले पर संदेह होने लगा। देर-सवेर परिजनों से पूछताछ की गई तो सच्चाई सामने आ गई। परिजनों ने बताया कि अजय जुए में बड़ी रकम हार गया था और उसी नुकसान को छिपाने के लिए उसने लूट की झूठी पटकथा तैयार की थी।

परिजनों ने यह भी साफ किया कि घटना मनगढ़ंत है और वे किसी तरह की कार्रवाई नहीं चाहते।

- जुए में हार छिपाने को रची लूट की पटकथा, तीन टीमें लगीं, परिजनों के बयान से खुला राज

बाला जी भाग गया! स्क्रिप्ट लिखने वाला दुकानदार

पुलिस की पूछताछ में जैसे ही लूट की कहानी कमजोर पड़ने लगी, खुद को पीड़ित बताने वाला दुकानदार थाने से ही रफू चक्कर हो गया। जुए में हुई हार छिपाने के लिए जिस "लूट की स्क्रिप्ट" को उसने चालाकी से रचा था, वह सवालों की कसौटी पर आते ही ढह गई। अब हालात यह है कि लूट की कहानी सुनाने वाला दुकानदार खुद पुलिस की नजरों से गायब है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।पुलिस का कहना है कि कहानी लिखी है तो अंजाम भी भुगतना पड़ेगा। उधर अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि मामला झूठा पाए जाने पर दर्ज लूट के मुकदमे को स्पंच करने की कार्रवाई की जाएगी।

मो0 हसन को सम्मानित करते डीएम साथ में शिक्षिका भावना त्रिवेदी।

विज्ञान प्रदर्शनी: हसन के मॉडल को सभी ने सराहा, मिला ईनाम

स्वराज इंडिया न्यूज

बिल्हौर(कानपुर)। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में आयोजित जनपदीय विज्ञान प्रदर्शनी में ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभा ने अपना लोहा मनवाया। बिल्हौर विकास खंड के कंपोजित स्कूल गोहलियापुर के छात्र मोहम्मद हसन ने अपने शानदार वैज्ञानिक मॉडल से सभी को प्रभावित किया, जिसके लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए रेडमी कंपनी का स्मार्टफोन उपहार में देकर सम्मानित किया। ?प्रदर्शनी में जनपद के विभिन्न स्कूलों से आए नन्हे वैज्ञानिकों ने एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए थे। मो. हसन की इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने उसकी सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर छात्र को तैयार करने वाली विज्ञान शिक्षिका भावना त्रिवेदी और एआरपी प्रीती शुक्ला भी मौजूद रहीं, जिन्होंने छात्र के इस सफर में मार्गदर्शन की मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रतिभा किसी क्षेत्र विशेष की मोहताज नहीं होती। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाएं निखरकर सामने आती हैं। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में इन बच्चों का आगे बढ़ना देश के सशक्त निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

- डीएम ने स्मार्टफोन देकर किया सम्मानित

विद्यालय में हर्ष का माहौल

ग्रामीण परिवेश से निकलकर जनपद स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले मो. हसन की इस सफलता से उनके विद्यालय और बिल्हौर क्षेत्र में खुशी की लहर है। शिक्षकों का मानना है कि इस तरह के सम्मान से अन्य बच्चों में भी विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी।

मौदहा विधानसभा की वापसी की मांग ने पकड़ी और तेजी

राज्यपाल के नाम उप जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। मौदहा विधानसभा को पुनः बहाल किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट के तत्वावधान में गुरुवार को दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया और उप जिलाधिकारी को राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ÷हमारी मांगे पूरी करो÷ और ÷मौदहा विधानसभा वापस करो÷ जैसे नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में महेश सोनी, अरसद, सोमजीत, रजत सिंह, तबरेज खान, मुन्ना बॉर्डर, सरफराज सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने बताया कि मौदहा विधानसभा को वर्ष 2012 के परिसीमन के दौरान समाप्त कर दिया गया था, जबकि आजादी के बाद वर्ष 1952 में हुए प्रथम विधानसभा गठन से ही मौदहा विधानसभा का अस्तित्व रहा है। दशकों तक यह विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र की पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का केंद्र रहा, लेकिन परिसीमन के बाद इसे समाप्त कर दिए जाने से मौदहा की ऐतिहासिक पहचान पर गहरा आघात पहुंचा है।कार्यकर्ताओं ने कहा कि मौदहा तहसील जिले की सर्वाधिक राजस्व देने वाली तहसील है, इसके बावजूद क्षेत्र को राजनीतिक रूप से कमजोर कर दिया गया है। विधानसभा समाप्त होने के बाद से ही यहां के नागरिक खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और उन्हें अपने मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी मंच नहीं मिल पा रहा है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मौदहा जैसे ऐतिहासिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र की विधानसभा समाप्त करना जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने राज्यपाल से मांग की कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मौदहा विधानसभा को पुनः बहाल किया जाए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सके।

कार्यकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

अपराधों पर अंकुश और माफियाओं की कमर तोड़ना प्राथमिकता: चारु निगम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सुल्तानपुर।आप सभी को बताते चले कि अपराध और अपराधियों पर प्रभावी प्रहार के लिए मशहूर यूपी पुलिस की बेहद ईमानदार छवि के तेजतर्रार वर्ष 2014 बैंच बहुचर्चित आईपीएस अफसर एवं सुल्तानपुर जिले की नवागत पुलिस अधीक्षक चारु निगम द्वारा शुक्रवार सुबह बतौर चार्ज संभाल लिया। उन्होंने ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ ही अपनी प्राथमिकताओं को गिनाते हुए कहा कि थाने में आने वाले प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति की फरियाद को गम्भीरता से सुनकर तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उसे शीघ्र न्याय दिलाया जाएगा।ताकि पीड़ित व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए।

उनका कहना है कि पुलिसिंग को बेहतर बनाने के लिए थानों पर फरियादी,महिलाओं के प्रति पुलिस के व्यवहार को सुधारने पर प्रमुखता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में बढ़ रहे तकनीक आधारित अपराधों पर प्रभावी लगाम लगाने के कार्ययोजना तैयार की जाएगी।पुलिस साइबर अपराधों से निपटने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं,सामाजिक संस्थाओं के साथ तकनीकी सहयोग लेकर इस पर प्रभावी कार्रवाई करेगी।नवागत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधियों और माफियाओं पर अंकुश लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।शांति व कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले अराजक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। सुल्तानपुर की नई पुलिस अधीक्षक चारु निगम इससे पहले झांसी,औरैया,गोरखपुर आदि जनपदों में तैनाती के दौरान अपनी अच्छी पुलिसिंग दे चुकी है.वर्तमान में 47 वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद में सेनानायक के तौर पर तैनात थी।

मूल्यरूप से उत्तर प्रदेश के ताजनगरी आगरा जिले की रहने वाली चारु निगम की पढ़ाई-लिखाई देश की राजधानी दिल्ली से हुई। शराब व भूमाफियाओं और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अपने ताबड़तोड़ एक्शन को लेकर पहले भी सुर्खियों में रह चुकी है.साथ ही अपनी शानदार कार्यशैली के चलते देश और प्रदेश के वरिष्ठ जनों के हाथों कई बार सम्मानित होने का भी गौरव प्राप्त कर चुकी है..

व्यापारियों पर दर्ज फर्जी मुकदमे 8 दिन में वापस लेने की चेतावनी, नहीं हटे तो पूरे प्रदेश में आंदोलन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सोनी ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि व्यापारियों पर दर्ज फर्जी मुकदमे 8 दिन के भीतर वापस नहीं लिए गए तो पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व फर्रुखाबाद के व्यापारियों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव ने चौकी इंचार्ज के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था। एक सप्ताह तक कोई कार्रवाई न होने पर अंकुर श्रीवास्तव ने शांतिपूर्ण ढंग से मशाल जुलूस निकालकर पुलिस प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया, लेकिन व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को विश्वास में लिए बिना पुलिस ने व्यापारियों के विरुद्ध फर्जी मुकदमा दर्ज कर लिया, जो पूरी तरह गलत है।जितेंद्र सोनी ने कहा कि चौकी इंचार्ज के विरुद्ध निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि वह दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारियों पर दर्ज मुकदमे 8 दिन में वापस होने चाहिए, अन्यथा फर्रुखाबाद के आंदोलन के समर्थन में पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मिश्रा गुट के व्यापार मंडल को देश का सबसे बड़ा संगठन बताते हुए एकजुटता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सदानंद शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू गौतम, नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष इकलाख खां ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। महिला व्यापार मंडल की जिलाध्यक्ष सोनी शुक्ला ने गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

वार्ता के समय वरिष्ठ उपाध्यक्ष लालू कनौजिया, नगर व्यापार मंडल महामंत्री राकेश सक्सेना, नगर व्यापार मंडल संरक्षक आनंद प्रकाश उर्फ मुन्ना गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

डिवाइडर के बिना मौत का रास्ता बनी सड़कें

30 दिन में आधा दर्जन दुर्घटनाएं, प्रशासन बेपरवाह

मंडी समिति रोड यहां भी डिवाइडर नहीं

छोटी जेल का चौराहा जहां नहीं है डिवाइडर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद।शासन और प्रशासन सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए हर माह जागरूकता अभियानों का ढिंढोरा पीटता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। छोटी जेल से मंडी रोड चौराहा तक और सातनपुर मंडी से हथियापुर बाईपास तक के व्यस्त मार्ग आज भी बिना डिवाइडर के जानलेवा बने हुए हैं। इन मार्गो पर दाएं-बाएं चलने की कोई स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण पिछले 30 दिनों में आधा दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

इन सड़कों से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन तेज रफ्तार में गुजरते हैं। डिवाइडर न होने के कारण वाहन लक अपनी सुविधा से दाएं-बाएं निकलते हैं, जिससे आमने-सामने की टक्कर और अचानक ब्रेक लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। स्थिति यह है कि प्रतिदिन छोटी-बड़ी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन मार्गो के दोनों छोर पर यातायात पुलिस की तैनाती रहती है, इसके बावजूद तेज रफ्तार वाहनों पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। सबसे ज्यादा खतरा साइकिल सवारों और बाइक सवारों को है, जो डिवाइडर न होने के कारण बिना देखे अचानक मोड़ ले लेते हैं। इससे पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर जाते हैं और चालक घायल हो रहे हैं।प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि इन मार्गों पर डिवाइडर का निर्माण करा दिया जाए तो न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि यातायात भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा। डिवाइडर के अभाव में सड़कें मौत का रास्ता बनती जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक आंख मूंदे बैठे हैं।

अब सवाल यह है कि क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा, या फिर समय रहते इन मार्गों पर डिवाइडर बनाकर लोगों की जान बचाई जाएगी। जनता को केवल प्रचार नहीं, बल्कि सुरक्षित सड़कें चाहिए।

प्रयोगात्मक परीक्षा देने जा रही छात्राओं से भरा ऑटो डीसीएम से टकराया, छात्रा की मौके पर मौत

» कौसम मोड़ की अवैध दुकानें बनीं मौत का कारण, पहले भी जा चुकी हैं कई जानें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र से शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे की बड़ी खबर सामने आई है। नबीपुरङ्गगजनेर मार्ग पर कौसम गाँव के समीप प्रयोगात्मक परीक्षा देने जा रही छात्राओं से भरा एक ऑटो डीसीएम ट्रक से आमने-सामने टकरा गया। इस भीषण हादसे में एक 17 वर्षीय छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑटो में सवार छात्राएं एक इंटर कॉलेज में प्रयोगात्मक (प्रैक्टिकल) परीक्षा देने जा रही थीं। जैसे ही ऑटो कौसम गाँव के पास बने खतरनाक मोड़ पर पहुंचा, तभी सामने से आ रही डीसीएम से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर चीख–पुकार मच गई।

मृतका की पहचान हादसे में ऋतु (17 वर्ष) पुत्री शिवकुमार यादव उर्फ नेता यादव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। छात्रा की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी इसी मोड़ पर ट्रैक्टर पलट चुका है, वहीं स्कार्पियो दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हो चुकी है।

बावजूद इसके आज तक न तो अतिक्रमण हटाया गया और न ही कोई सुधारात्मक कार्रवाई की गई, जिसका खामियाजा आज एक छात्रा को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा।

इस संबंध में गजनेर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि मृत छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा घायलों

तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हादसे में

दीक्षा, पुत्री विनोद कुमार
खुशी, पुत्री गुलाब सिंह
अभय कुमार, पुत्र अनुज कुमार
गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अवैध दुकानें बनीं जानलेवा

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि कौसम मोड़ पर अवैध तरीके से दुकानें रखी गई हैं, जिनके कारण मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि यह स्थान लगातार हादसों का कारण बनता जा रहा है।

प्रशासन पर उठे सवाल

लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि अवैध दुकानों को तत्काल हटाया जाए और मोड़ को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह का दर्द न झेलना पड़े।

सवालों के घेरे में बच्चों की सड़क सुरक्षा

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर स्कूली बच्चों की सुरक्षा, ऑटो में सवारियों की संख्या और तेज रफ्तार भारी वाहनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

मदीने की गलियों का दीदार

‘मैं मदीने चला’ सदाओं के बीच...

जामा मस्जिद के मुअज्जिन उमरा के लिए रवाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे से तीन लोग उमरा की अदायगी के लिए सऊदी अरब रवाना हुए। जामा मस्जिद के मुअज्जिन मुस्ताक अहमद अपनी पत्नी हसीना बेगम के साथ मक्का–मदीना की ज़ियारत के लिए निकले। रवाना होने से पहले आज़ाद नगर स्थित इमाम चौक मैदान में जलसा ईद मिलादुन्नबी का आयोजन किया गया।

जलसे में बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। लोगों ने मुअज्जिन मुस्ताक अहमद को फूल–मालाएं पहनाकर भावभीना इस्तक़बाल किया और उनकी सलामती के लिए दुआएं कीं।

जलसे को संबोधित करते हुए पेश इमाम जामा मस्जिद हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने कहा कि मक्का मोअज़्ज़मा में

एक नमाज़ का सवाब एक लाख नमाज़ के बराबर होता है, जबकि मदीना मुनव्वरा में एक नमाज़ का सवाब पचास हज़ार गुना मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकार के शहर की शान निराली है, जो एक बार वहां गया वह उन्हीं का होकर रह गया।

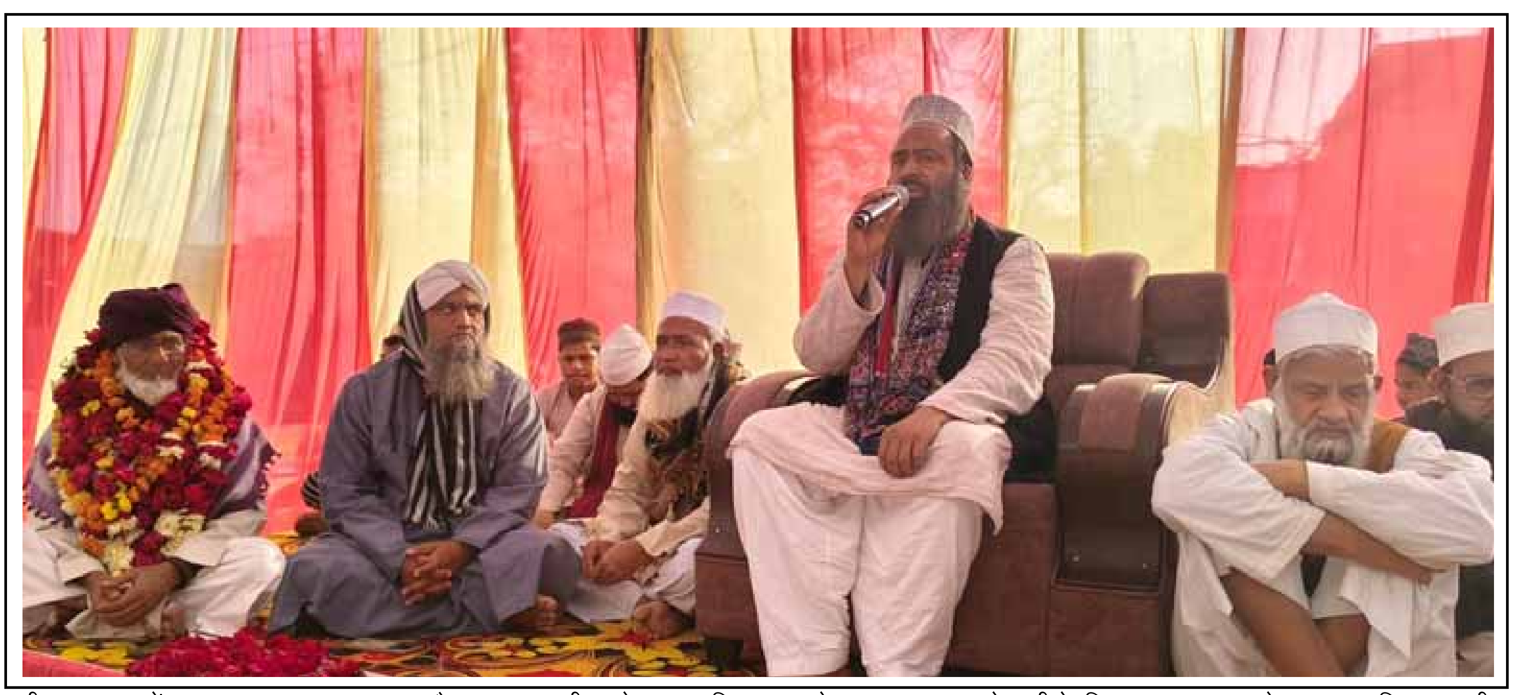

मौलाना कुतुबुद्दीन ने कहा कि मदीना मुनव्वरा की ज़ियारत दौलत से नहीं बल्कि इश्क़ से नसीब होती है। खुशनसीब वही होते हैं जिन्हें वहां से बुलावा आ जाता है। उन्होंने उमरा पर जा रहे मुस्ताक अहमद से सभी के लिए दुआ करने की अपील की।

इस मौके पर मौलाना गुलाम मुरसलीन, हाजी महताब, हाफ़िज़ साजिद, हाफ़िज़ रशीद कुरैशी, हाफ़िज़ अकरम, मोहम्मद आबिद, यासीन परवेज़, टुन्नी मिस्त्री, अकरम वारसी, शाहरुख मंसूरी, रिज़वान अहमद, असगर मंसूरी, सज्जाक राइन समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार नहर में पलटी, तीन की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

अस्पताल में तीन को मृत किया गया घोषित, एक को हैलट रिफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। मुंडन संस्कार में शामिल होने आए कार सवार तीन युवकों की नहर में डूबने से दर्दनाक मौत गई। जबकि एक की हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट रेफर कर दिया गया। बहराइच रोड गोंडा निवासी राकेश कुमार श्रीवास्तव, राधेश श्रीवास्तव पुत्रगण स्व.प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, कार चालक करिया 45 पुत्र अज्ञात, अभिषेक पुत्र राजेश कुमार रसूलाबाद क्षेत्र में एक गांव में मुंडन संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। अभी वे मक्का निवादा निचली रामगंगा नहर पटरी पर कार से चल ही रहे थे कि अचानक कार अनियंत्रित होकर नहर में जा डूबी। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में पुलिस की सहायता से सभी कार सवारों को बाहर निकाला। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां राकेश श्रीवास्तव 54, राधेश कुमार श्रीवास्तव 42 व करिया निवासी गोंडा को डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने मृत घोषित कर दिया जबकि अभिषेक की हालत चिंताजनक देखते हुए उसे हैलट रेफर कर दिया गया। दर्दनाक घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्धों से पूछताछ

यातायात नियमों का पालन न करने वालों को दी सख्त हिदायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे के निर्देशन में जनपद में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा के आदेशानुसार थाना प्रभारी रीना गौतम ने पुलिस बल के साथ मुगल रोडझ्गजनेर रोड चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ व तलाशी ली गई। वहीं दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट पहनने, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात व बीमा साथ रखने के निर्देश दिए गए। शराब पीकर वाहन न चलाने तथा नाबालिगों द्वारा बाइक चलाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।पुलिस ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की। अभियान के दौरान पुलिस की सख्ती से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

राजाराम हत्याकांड में मुर्दा निकला जिंदा

» लखनऊ में मिला मृत संतोषी; पुलिस कमिश्नर करेंगे पूछताछ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राजाराम हत्याकांड में वादी नरेंद्र देव का झूठ पकड़ा गया है। लखनऊ का संतोषी जिसे मृत बताया गया था, वह जीवित मिला है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल आज मुख्य आरोपी दिल नियाय से स्वयं पूछताछ करेंगे, जबकि फरार महिला की तलाश में टीमें मुंबई भेजी गई हैं।

बहुचर्चित राजाराम हत्याकांड की विवेचना में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को जिंदा ढूंढ निकाला जिसे कागजों में मृत घोषित कर दिया गया था। अग्रिम विवेचना की मांग करने वाले वादी नरेंद्र देव ने जिस संतोषी को मृत बताया था। वह न केवल जीवित है, बल्कि लखनऊ के इंदिरानगर में अपनी बेटी के साथ रह रहा है।

जांच में यह भी सामने आया है कि पुलिस को इस हत्याकांड से जुड़े जिस संदिग्ध महिला की तलाश थी। वह मुंबई स्थित अपने ठिकाने से कहीं और चली गई है। पुलिस की एक टीम मुंबई में है, जबकि दूसरी टीम लखनऊ में है। वहीं एफआईआर में नामजद गोली मारने के आरोपी दिल नियाय को आज फिर पूछताछ के लिए कोतवाली बुलाया गया है।

संपत्तियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया में पैन कार्ड अनिवार्य

भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में रजिस्ट्री की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया फैसला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संपत्तियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया को और सख्त करते हुए शासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में संपत्ति की रजिस्ट्री के दौरान पैन कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्णय विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में रजिस्ट्री की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इससे पहले रजिस्ट्री प्रक्रिया में आधार लिंक करना पहले ही अनिवार्य किया जा चुका है। शासन का मानना है कि पैन कार्ड को अनिवार्य करने से रजिस्ट्री के दौरान होने वाले लेनदेन में वित्तीय अपराधों पर प्रभावी रोक लगेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में भी पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

शासन को प्राप्त सूचनाओं के अनुसार उत्तर प्रदेश से सटे भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में संपत्तियों की रजिस्ट्री की संख्या में हाल के समय में काफी बढ़ोतरी हुई है। जांच में यह भी सामने आया है कि इन संपत्तियों के लेनदेन में कई स्तरों पर गड़बड़ियां हो रही हैं, जिससे अवैध धन के इस्तेमाल और संदिग्ध गतिविधियों की आशंका बढ़ गई है।

इसी क्रम में महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने प्रदेश के सभी सहायक महानिरीक्षक निबंधन एवं उप निबंधन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि नई व्यवस्था का सख्ती से पालन कराया जाए।

निर्देशों में कहा गया है कि बिना पैन कार्ड के किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री न की जाए और सभी दस्तावेजों की गहन जांच सुनिश्चित की जाए।

शासन के इस फैसले को रजिस्ट्री व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और अवैध लेनदेन पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सील दुकान में युवती के कैद होने का आरोप बेबुनियाद: नगर आयुक्त

नगर निगम के पास पूरी कार्रवाई का वीडियो मौजूद

स्वराज इंडिया अयोध्या
नगर निगम की कर वसूली में सख्ती लेकिन लापरवाही पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। फतेहगंज मोहल्ले में गृह व जलकर बकाया पर नगर निगम द्वारा की गई कुर्की कार्रवाई के दौरान युवती के दुकान में कैद होने के आरोप को नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने पूरी तरह तथ्यहीन बताया है। उन्होंने कहा कि यह मामला नगर निगम की छवि खराब करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। नगर आयुक्त के अनुसार, स्वर्गीय बेचन राम पर 90,800 रुपये का बकाया था, जिसकी वसूली के लिए समय-समय पर बिल, डिमांड नोटिस और सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद भुगतान नहीं किया गया।

नगर आयुक्त ने बताया कि चार फरवरी 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे नगर निगम की टीम पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते के साथ मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान फतेहगंज चौकी प्रभारी दो महिला पुलिसकर्मियों के साथ मौजूद थे और दुकान के भीतर की पूरी जांच की गई थी। सील करने से पहले सभी लोगों को बाहर निकाला गया था। इस दौरान दो वारिसों ने 30-30 हजार रुपये जमा कर दिए, जबकि तीसरे वारिस ने बकाया देने से इनकार करते हुए विवाद किया और दुकान सील करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुर्की कार्रवाई नियमों के तहत और पूरी जांच के बाद की गई। नगर निगम के पास पूरी कार्रवाई का वीडियो मौजूद है, जिसमें युवती को बाहर जाते हुए देखा जा सकता है। नगर निगम टीम के लौटने के लगभग छह घंटे बाद साजिश के तहत युवती के कैद होने की बात सामने लाई गई। आशंका है कि पीछे के रास्ते से युवती को दोबारा दुकान में ले जाया गया। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कोतवाली पुलिस को पत्र भेज दिया गया है।

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

दिवंगत लता मंगेशकर का सम्मान, काशी में स्वर कोकिला के नाम से ट्रेन चलाने की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। धार्मिक और संगीतमय नगरी काशी में भारत रत्न, स्वर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर की चौथी पुण्यतिथि पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वाराणसी डर्बी शायर क्लब के अध्यक्ष शकील अहमद जादूगर के नेतृत्व में पितरकुंडा स्थित प्राचीन कुंड पर संपन्न हुआ। उनके नाम से ट्रेन चलाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने लता मंगेशकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा कुंड में मछलियों को चारा खिलाकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। शकील अहमद जादूगर ने कहा कि 6 फरवरी 2022 को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने इस दुनिया को अलविदा कहा था। उन्होंने बताया कि लता जी का जन्म 28 सितंबर 1929 को इंदौर में हुआ था और वे प्रख्यात संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर की सबसे बड़ी पुत्री थीं। शकील अहमद ने कहा कि लता मंगेशकर ने लगभग 80 वर्षों तक अपनी मधुर और सुरीली आवाज से देश-विदेश को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कई भाषाओं में हजारों गीत गाए, जो भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर हैं। इस दौरान शकील अहमद जादूगर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि लता मंगेशकर के नाम पर वाराणसी से एक विशेष ट्रेन चलाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लता जी को अपनी दीदी मानते थे, इसलिए यह पहल उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अतीक अहमद के पूर्व करीबी जैद खालिद समेत 12 को भू-माफिया घोषित करने की तैयारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स ने माफिया अतीक अहमद के पूर्व करीबी रहे जैद खालिद समेत 12 लोगों को भू-माफिया घोषित करने की संस्तुति जिलाधिकारी को भेजी है। प्रस्ताव पर जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 30 जनवरी को एसडीएम सदर की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स की बैठक में राजस्व ग्राम रसूलपुर मरियाडीह, रसूलपुर काशीपुर उपरहार, पोंगहट पुल तालुका बमरौली, ग्यासुद्दीनपुर उपरहार सहित अन्य क्षेत्रों में सरकारी एवं निजी भूमि पर अवैध कब्जे तथा निर्धारित हिस्से से अधिक भूमि के अवैध विक्रय के मामलों की समीक्षा की गई। टास्क फोर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न थानों में पहले से ही प्राथमिकी दर्ज है और आरोप आपराधिक श्रेणी के हैं। सूची में शामिल जैद खालिद (निवासी अल्का बिहार कॉलोनी, बमरौली) तथा उसके भाई जसीम का नाम भी संस्तुत व्यक्तियों में शामिल है। उल्लेखनीय है कि जैद खालिद का नाम पूर्व में भी विभिन्न मामलों में सामने आता रहा है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि टास्क फोर्स की संस्तुति अनुमोदन के लिए लंबित है और शीघ्र ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। अनुमोदन के उपरांत संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोकप्रिया हॉस्पिटल की हनक के सामने सिस्टम बेबस!

- » सेतु निगम पर सौदेबाजी का गंभीर आरोप
- » हॉस्पिटल संचालक के रसूख के आगे नाला बन गया नाली
- » उत्तर प्रदेश खेत मजदूर संगठन ने डीएम से की शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मोदहा चौराहे के पास स्थित लोकप्रिया हॉस्पिटल के सामने बना मोड़ इन दिनों लोगों के लिए खतरे की घंटी बनता जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण की जद में आए इस भवन को नियमों के अनुसार पूरी तरह हटाने के बजाय, सेतु निगम की ओर से आंशिक कार्रवाई किए जाने के आरोप सामने आए हैं।शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रभाव और दबाव के चलते निर्माण को बचा लिया गया, जिससे सड़क अधूरी रह गई और यातायात व्यवस्था असुरक्षित हो गई।

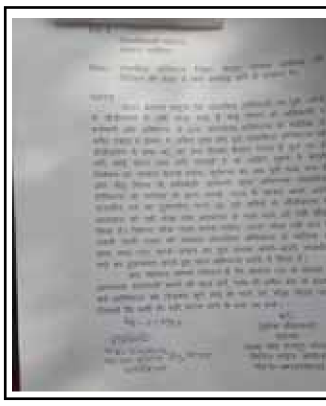

स्थानीय लोगों के अनुसार पुल से उतरते ही दाहिने मोड़ पर वाहन चालकों को भारी परेशानी होती है। कार और दोपहिया वाहन अक्सर असंतुलित हो जाते हैं। कई बार मामूली हादसे हो चुके हैं और कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि यह मार्ग अब ÷हादसा क्षेत्र÷ बनता जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सड़क के किनारे बनाए जाने वाले नाले को मानकों के अनुसार चौड़ा नहीं किया गया। उसकी जगह संकरी नाली बनाकर काम पूरा दिखा दिया गया। तकनीकी मानकों की अनदेखी और डिजाइन में कथित बदलाव कर अस्पताल को बचाने का प्रयास किया गया। इससे जलनिकासी और सड़क सुरक्षा दोनों पर असर पड़ा है।

इस मामले में अपर अभियंता से लेकर अन्य कर्मचारियों पर भी पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। कहा जा रहा है कि जनहित की बजाय निजी हितों को प्राथमिकता दी गई। वहीं, उ.प्र. खेत मजदूर संगठन के सदस्य मुकेश श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर अवैध निर्माण गिराने, नाले को पूर्ण रूप से चौड़ा कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन की ओर से अब तक इस मामले में कोई ठोस कदम सामने नहीं आया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही व्यवस्था जागेगी? क्या नियम सबके लिए समान हैं या प्रभावशाली लोगों के लिए अलग फिलहाल यह मामला अयोध्या में विकास कार्यों की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं क्या सड़क को सुरक्षित बनाया जाएगा या फिर 'अस्पताल की हनक' व्यवस्था पर भारी पड़ेगी।

> अस्पताल संचालिका डॉ0 प्रियंका खरे का कहना है कि हम कानून के साथ है सारा निर्माण वैधानिक तरीके से किया गया है सारे आरोप निराधार है। कुछ लोगो द्वारा अस्पताल की लोकप्रियता को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

पिंक रोजगार मेले में 145 युवतियों को मिला रोजगार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। गुरुनानक एजुकेशन सोसाइटी एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुनानक अकादमी गर्ल्स इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित पिंक रोजगार मेले में 145 युवतियों को रोजगार मिला। मेले में 355 बेरोजगार युवतियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से विभिन्न निजी कंपनियों के एचआर प्रतिनिधियों द्वारा चयन किया गया।

इस अवसर पर कैरियर काउंसिलिंग कार्यशाला भी आयोजित हुई, जिसमें युवतियों को लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प और परिश्रम के महत्व की जानकारी दी गई। आयोजकों ने प्रतिभागियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

फिर गरमाया फर्जी नियुक्ति-वेतन घोटाला

» रामबली नेशनल इंटर कॉलेज प्रकरण में शासन सख्त, 15 दिन में जांच आख्या तलब

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामबली नेशनल इंटर कॉलेज, गोसाईगंज, जनपद अयोध्या में फर्जी व अवैध नियुक्तियों तथा वेतन घोटाले का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। लंबे समय से लंबित इस प्रकरण को लेकर अब उत्तर प्रदेश शासन ने कड़ा रुख अपनाया है और 15 दिन के भीतर जांच आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन संजय कुमार ने शिक्षा निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश को पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिया है कि मामले से जुड़े सभी अभिलेख एवं जांच रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा के भीतर शासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि रामबली नेशनल इंटर कॉलेज में फर्जी नियुक्तियों और वेतन भुगतान में अनियमितता की शिकायत पूर्व में शासन स्तर पर की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए शासन ने 26 अगस्त 2025 को ही शिक्षा निदेशक, प्रयागराज को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, शासनादेश के बावजूद पांच माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। इस लापरवाही को शासन ने गंभीरता से लिया है। अब पुनः निर्देश जारी कर 15 दिन के भीतर जांच पूर्ण कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। शासन के इस सख्त रुख से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों की मानें तो रामबली नेशनल इंटर कॉलेज पर अब कार्रवाई की तलवार लटक गई है। यदि जांच में आरोप सही पाए गए, तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों पर बड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है। विभागीय स्तर पर भी इस मामले को लेकर खलबली मची हुई है।

अयोध्याः रामनगरी के कर्मयोगी को नई जिम्मेदारी मिलने पर अभिनंदन

एडीजी लखनऊ जोन बने प्रवीण कुमार का राममंदिर परिसर में हुआ सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या रेंज के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एवं तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार के एडीजी लखनऊ जोन बनाए जाने पर श्रीरामजन्मभूमि परिसर में उनका भव्य अभिनंदन किया गया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एवं परिसर में कार्यरत सुरक्षा एजेंसियों की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में उन्हें शाल, रामनामा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।सभागार में आयोजित समारोह में ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, सदस्य डॉ. अनिल कुमार मिश्र, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे, एलएंडटी के परियोजना निदेशक विनोद कुमार मेहता सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने एडीजी जोन प्रवीण कुमार के अयोध्या में लंबे और प्रभावशाली कार्यकाल को याद करते हुए उनके योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की।

महासचिव चंपतराय ने रामलला की प्रतिमा भेंट करते हुए कहा कि पुलिस महानिरीक्षक के रूप में प्रवीण कुमार ने प्राण प्रतिष्ठा से लेकर अब तक रामनगरी की सुरक्षा, व्यवस्था और गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ और अन्य बड़े आयोजनों के दौरान आईजी प्रवीण कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस प्रशासन ने उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स के परियोजना प्रबंधक राजीव दुबे, रामजन्मभूमि पुलिस चौकी प्रभारी सुनील कुमार, ट्रस्ट के इंजीनियर जगदीश आफले, रामशंकर यादव 'टिन्नू', रेडियो शाखा प्रभारी अर्जुनदेव सिंह, आरक्षी अजय कुमार सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा रानोपाली स्थित उदासीन आश्रम में भी महंत डॉ. भरत दास ने एडीजी जोन प्रवीण कुमार को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अभिषेक दास सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

दिल्ली का कुख्यात इनामी बदमाश ढेर

90 मुकदमों की 'क्राइम ट्रेल' थमी

बदमाश ने कुछ घंटे पहले ही बाबरी क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शामली। यूपी के शामली जनपद में देर रात चली गोलियों की गूंज के साथ एक लंबे आपराधिक सफर का अंत हो गया। सदर कोतवाली और आदर्श मंडी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दिल्ली का कुख्यात, इनामी और अंतरराज्यीय बदमाश रिहान पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। बदमाश ने कुछ घंटे पहले ही बाबरी थाना क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जिलेभर में जाल बिछा चुकी थी।

बाबरी थाना क्षेत्र में रात करीब 8:30 बजे युवक राहुल से घर लौटते समय दो बाइक सवार बदमाशों ने हथियारों के बल पर लूट की। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने सूचना मिलते ही इलाके की घेराबंदी कर दी। चेकिंग के दौरान देर रात बदमाशों से आमना-सामना हुआ और करीब 30-35 मिनट तक चली मुठभेड़ में गोलियां चलीं।

मुठभेड़ में एक बदमाश घायल होकर पुलिस के हत्थे चढ़ा, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश की तलाशी में जब आई-कार्ड मिला तो पुलिस भी चौंक गई–यह वही रिहान निकला, जिसका नाम दिल्ली-एनसीआर में लूट, झपटमारी और हथियारों के मामलों में दहशत की तरह लिया जाता था।

रिहान और मुठभेड़ में घायल सिपाही सुमित कुमार को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान रिहान की मौत हो गई। घायल सिपाही का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने रिहान के पास से एक विदेशी पिस्टल, एक .32 बोर देसी पिस्टल, आठ जिंदा कारतूस, खोखे, बिना नंबर की मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और लूटे गए सोने के आभूषण बरामद किए हैं। बरामद हथियार इस बात की तस्दीक करते हैं कि बदमाश किसी बड़ी वारदात की फिराक में था।

रिहान

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, रिहान पर अलग-अलग राज्यों में करीब 90 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से पुलिस के रडार पर था और कई मामलों में वांछित चल रहा था। उसके फरार साथी की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। एसपी शामली एन.पी. सिंह ने बताया कि बाबरी क्षेत्र में हुई लूट के खुलासे के लिए चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसी दौरान मुठभेड़ में अंतरराज्यीय बदमाश रिहान घायल हुआ और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस एनकाउंटर के साथ ही शामली और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक कुख्यात अपराधी का अध्याय खत्म हो गया, लेकिन फरार साथी की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है।

स्कूलों में मोबाइल पर पढ़ाई बंद करवाएं, महिला आयोग का सभी DM को लेटर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने प्रदेश के सभी जिलों के डीएम को लेटर लिखकर प्राथमिक कक्षाओं में तत्काल मोबाइल फोन से पढ़ाई कराने पर रोक लगाने को कहा है। गाजियाबाद में तीन बहनों के कोरियन लव गेम के चक्कर में सुसाइड किए जाने के बाद मोबाइल की लत छुड़ाने के लिए यह लेटर लिखा गया है।

आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह चौहान ने कहा कि गाजियाबाद में तीन बहनों के आत्महत्या किए जाने के मामले में प्रथम दृष्ट्या मोबाइल गेम खेलने का मामला सामने आया है। कोरोना काल में स्कूलों में

⇨ गाजियाबाद सुसाइड के बाद उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने लिया एक्शन

मोबाइल पर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की गई थी. बहुत से स्कूल अभी भी ऑनलाइन पढ़ाई पर जोर दे रहे हैं। इससे प्राथमिक स्तर की कक्षाओं के छात्रों में मोबाइल फोन का प्रयोग करने की लत बढ़ रही है जिसे छुड़ाने के लिए मोबाइल फोन से पढ़ाई पर रोक लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के नाम पर लापरवाही न की जाए। डिजिटल अनुशासन अब अनिवार्य किया जाए। खासकर बालिकाओं की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है।

गुरुद्वारे के बाहर मचा हड़कंप

जालंधर में AAP नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

जालंधर। पंजाब के जालंधर शहर में शुक्रवार सुबह आम आदमी पार्टी (AAP) के स्थानीय नेता लक्की ओबेरॉय की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह सनसनीखेज वारदात मॉडल टाउन इलाके में एक गुरुद्वारे के बाहर उस समय हुई, जब वह प्रार्थना के बाद अपने वाहन में बैठ रहे थे। हमलावर दोपहिया वाहन पर सवार होकर आए और ताबड़तोड़ फायरिंग कर मौके से फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने करीब 5 से 10 राउंड फायरिंग की, जिसमें लक्की ओबेरॉय गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-

तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी में लेकर जांच शुरू की। घटनास्थल से खोखे बरामद किए गए हैं, वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान और हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है, सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

लक्की ओबेरॉय आम आदमी पार्टी के सक्रिय स्थानीय नेता थे और जालंधर की राजनीति में उनकी पहचान थी। वह सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे। उनकी हत्या को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। घटना के बाद से जालंधर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com